1st Term Worksheet

Subject – Hindi

Class – VIII

Name : **Sec. :**

[Hindi Language]

विपरीतार्थक शब्द

अमृत	....	अंत	....
अंधकार	....	अगम	....
अग्रज	....	अच्छा	....
अति	....	अनुयायी	....
अतुल	....	अथ	....
अपेक्षा	....	अनुराग	....
अनुरक्त	....	आर्विभाव	....
अस्त	....	अनिवार्य	....
अधम	....	अनाथ	....
अनुकूल	....	अत्यधिक	....
अनुग्रह	....	अभिज्ञ	....
आय	....	आसक्ति	....
आलस्य	....	आदान	....
आकर्षण	....	अज्ञ	....
आह्वान	....	आर्द्र	....
आसक्त	....	आकाश	....
आगत	....	आतुर	....
आनंद	....	आपत्ति	....
आमदनी	....	आरोह	....
आलसी	....	आस्तिक	....
अतिवृष्टि	....	आहूत	....
आदर्श	....	इच्छा	....
इज्ज़त	....	इच्छुक	....
इहलोक	....	इष्ट	....
उच्च	....	उत्कृष्ट	....

पर्यायवाची शब्द

अमृत	....
अतिथि	....
अग्नि	....
असुर	....
अहंकार	....
अच्छा	....
अरण्य	....
आकाश	....
आँख	....
आभूषण	....

आम्र ....

आनंद ....

अश्व ....

इंद्र ....

ईश्वर ....

उन्नति ....

कमल ....

कपड़ा ....

कान ....

किनारा ....

कृष्ण ....

कोयल ....

कामदेव ....

कौशल ....

गंगा ....

गणेश ....

गाय ....

घर ....

चाँद ....

चाँदनी ....

जल ....

तलवार ....

तालाब ....

दास ....

दिवस ....

<u>अपठित गद्यांश</u>

क्रोध का अर्थ – 'गुस्सा अथवा कोप होता है।' यह एक मनोविकार है। यह किसी अनुचित कार्य, अपकार आदि से उत्पन्न होता है और अन्य व्यक्ति को अपकार की प्रेरणा देता है। क्रोध शरीर पर एंव स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। क्रोधी व्यक्ति प्रायः चिड़चिड़े स्वभाव वाले होते हैं। हम कह सकते हैं कि जहाँ क्रोध है वहाँ रोग विकार अथवा अस्वास्थ्य है।

उपर्यक्त गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में सही विकल्प का चयन करो–

क. 'प्रतिकूल' शब्द का विपरीतार्थक शब्द क्या होगा?

1. समकूल 2. अनूकूल
3. अतिकूल 4. अनुकूल

ख. क्रोध का अर्थ क्या है?

1. मनोविकार 2. गुस्सा अथवा कोप
3. चिड़चिड़ापन 4. दुर्बल

ग. क्रोधी व्यक्ति कैसे होते हैं?

1. चिड़चिड़े स्वभाव वाले होते हैं 2. दुर्बल होते हैं
3. रोगग्रस्त होते हैं 4. उपरोक्त सभी लक्षण

घ. व्यक्ति के शरीर पर क्रोध का कैसा असर होगा?

1. अच्छा
2. अनुकूल
3. प्रतिकूल
4. इनमें से कोई नहीं

ङ. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक क्या होगा?

1. 'क्रोध एक मनोविकार'
2. 'अनुचित कार्य'
3. 'क्रोध एक गुण'
4. 'क्रोधी व्यक्ति'

<u>अनुच्छेद लेखन</u>

मुड़ो प्रकृति की ओर

निबन्ध

वन में जीवन निहित है

पत्र

अवकाश हेतु प्रधानाचार्य को पत्र

पत्र

जन्मदिन के लिए मित्र को निमंत्रण पत्र

चित्रलेखन/कहानी

समय का मूल्य

<u>चित्रलेखन / कहानी</u>

दीनों पर दया

....

....

....

....

....

....

पाठ – 4
(संज्ञा)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **(पृष्ठ सं0 24)**

क. संज्ञा की परिभाषा देते हुए उसके भेदों के नाम लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

ख. भाववाचक संज्ञा से क्या तात्पर्य है? उदाहरण देकर स्पष्ट करो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

ग. भाववाचक संज्ञाओं की रचना कितने प्रकार के शब्दों से हो सकती है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

घ. समूहवाचक संज्ञा और द्रव्यवाचक संज्ञा में अंतर स्पष्ट करो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

2. जोड़े मिलाओ– **(पृष्ठ सं0 24)**

क.	सज्जन	लंबाई
ख.	चतुर	भिन्नता
ग.	मुस्कुराना	चिल्लाहट
घ.	चिल्लाना	गिरावट
ङ.	भिन्न	हार
च.	सहायक	सहायता
छ.	गिरना	स्वमित्व
ज.	लंबा	मुसकुराहट
झ.	स्वामी	चतुरता
ञ.	हारना	सज्जनता

3. संज्ञाओं को छाँटकर सही क्रम में लिखो– **(पृष्ठ सं0 24)**

सोना, मोहन, लकड़ी, दरबार, ऊन, अध्यापक, सभा, हिमालय, फल, सुंदरता, लंबाई, लकड़ी, कालिमा, सेना, बाइबिल

क. व्यक्तिवाचक – ....

ख. जातिवाचक – ....

ग. भाववाचक – ....

घ. द्रव्यवाचक – ....

ङ. समुदायवाचक – ....

4. भाववाचक संज्ञाओं में बदलो– **(पृष्ठ सं0 25)**

	शब्द	**भाववाचक**
क.	दुष्ट	....
ख.	भिन्न	....
ग.	अपना	....
घ.	मुस्कुराना	....
ङ.	काला	....
च.	मलिन	....
छ.	वत्स	....

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कोष्ठक में दिए गए शब्दों को भाववाचक संज्ञा से करो– **(पृष्ठ सं0 25)**

क. मेहनती व्यक्ति कभी .... नहीं करते। (आलसी)

ख. फलों में .... होती है। (मीठा)

ग. गरीबों की .... करना हमारा कर्तव्य है। (सहायक)

घ. बसंत ऋतु में चारों तरफ़ .... छाई रहती है। (हरा)

ङ. मुझे आपके व्यवहार में .... नज़र नहीं आया। (अपना)

6. दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प पर सही चिह्न (√) लगाइए– **(पृष्ठ सं0 25)**

क. जो शब्द समूह या समुदाय का बोध कराते हैं, उन्हें कहते हैं –

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा ☐ 2. समुदायवाचक संज्ञा ☐ 3. भाववाचक संज्ञा ☐

ख. 'सुहृद्' शब्द की भाववचक संज्ञा का रूप होगा–

1. सहृदयता ☐ 2. सौहार्द ☐ 3. सुहृदत्व ☐

ग. कभी किसी की नहीं करनी चाहिए–

1. बुराई ☐ 2. भलाई ☐ 3. गहराई ☐

अपठित पद्यांश

''विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सु–मृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए।
नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
यही पशु–प्रवृत्ति है कि आप–आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।''

उपर्यक्त पद्यांश का ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर में सही विकल्प का चयन करो–

क. कवि ने 'पशु–प्रवृत्ति' किस आचरण को माना है?

1. दूसरों के लिए जीने को
2. अपने हित के ही बारे में सोचते रहने को
3. स्वयं ही खाते रहने को
4. इनमें से कोई नहीं

ख. किससे न डरने के लिए कहा गया है?

1. जीवन से
2. मृत्यु से
3. कर्म करने से
4. दूसरे व्यक्ति से

ग. किस तरह के लोगों की मृत्यु 'सु–मृत्यु' कहलाती है?

1. जिसकी मृत्यु को सभी याद करें।
2. जो अपने लिए जीता और मरता है
3. जो परोपकार लिए जीता और मरता है
4. जो अपने लिए ही नहीं दूसरों के हित का भी ध्यान रखता है

घ. 'मर्त्य' शब्द का अर्थ होगा–

1. मरणशील
2. मिट्टी
3. धूल
4. इनमें से कोई नहीं

ङ. 'मृत्यु' शब्द का विरीतार्थक है–

1. मरण
2. जीवन
3. जन्म
4. जीवित

संवाद लेखन

बस स्टेशन के काउंटर पर आवश्यक सूचना प्राप्त करना।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

निबन्ध

प्रदूषण समस्या और समाधान

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

वाक्यांश के लिए एक शब्द

1. जिसका अंत न हो ....
2. जिसके माता–पिता मर चुके हों ....
3. जिसको कोई जीत न सके ....
4. जिसका इलाज न हो सके ....
5. जो कुछ न जानता हो ....
6. जिसके समान कोई दूसरा न हो ....
7. जो कानून के प्रतिकूल हो ....
8. जो पहले कभी न हुआ हो ....
9. जो दूर से सोचे ....
10. जो थोड़ा जानता हो ....
11. जो कुछ न जानता हो ....
12. जो पढ़ा न हो ....
13. जो कभी जन्म न ले ....
14. जो कभी बूढ़ा न हो ....

15. जो लोक में देखने को न मिले ....
16. जो बात अवश्य होकर रहे ....
17. जिसकी उपमा न हो ....
18. जिसका कोई पार न हो ....
19. राजभवन के अंदर महिलाओं का निवास ....
20. धरती और आकश के बीच का स्थान ....
21. जो कहा न जा सके ....
22. जो कहा न गया हो ....
23. जिसके पास कुछ भी न हो ....
24. जिसमें कुछ करने की क्षमता न हो ....
25. जिसका खंडन न किया जा सके ....
26. जिसका जन्म पीछे हुआ हो ....
27. जिसमें चेतना न हो ....
28. जो न जाना गया हो ....
29. जिसके आने की तिथि न हो ....
30. वर्षा की अधिकता ....
31. जिसकी तुलना न की जा सके ....
32. जो दूर की बात न सोच सके ....
33. जो दिखाई न देता हो ....
34. जो बात न सुनी गई हो ....
35. जो पढ़ा न जो सके ....

<u>पाठ – 6</u>
<u>(वचन)</u>

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **(पृष्ठ सं0 33)**

क. वचन से आप क्या समझते हैं? उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....
....
....
....
....
....

ख. वचन कितने प्रकार के होते हैं? उनकी परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....
....
....
....
....
....
....
....

2. रेखाकिंत शब्दों के वचन बदलकर पुनः वाक्य बनाओ– **(पृष्ठ सं0 22)**

क. लड़का फुटबॉल खेल रहा है।

....

ख. हमें बाज़ार से पुस्तक खरीदना है।

....

ग. अध्यापिका कक्षा में पढ़ा रही है।

....

घ. मछली जल में तैर रही है।

....

ङ. बेटी पराया धन होती है।

....

3. निम्नलिखित शब्दों को बहुवचन में बदलो – **(पृष्ठ सं0 34)**

शब्द	**बहुवचन**
पंक्ति	....
ऋतु	....
चिड़िया	....
घोड़ी	....
कन्या	....

4. बहुवचन के सही विकल्प पर घेरा ◯ करो– **(पृष्ठ सं0 34)**

क. कविता — कविताएँ / कविताओं

ख. तिथि — तिथियों / तिथियाँ

ग. कवि — कवियों / कवि

घ. सभा — सभाएँ / सभाओं

5. निम्नलिखित शब्दों में से एकवचन और बहुवचन अलग करो– **(पृष्ठ सं0 34)**

व्यक्ति, स्त्री, नहरें, पंखे, बच्चा, कन्याएँ, लोग, पानी, आँसू, दूध

	एकवचन	बहुवचन
क.	....	....
ख.	....	....
ग.	....	....
घ.	....	....
ङ.	....	....

6. **निम्नलिखित शब्दों के सही भाववाचक संज्ञा पर (√) का निशान लगाइए–** **(पृष्ठ सं0 34)**

क. 'बालक' का बहुवचन होगा–

1. बालक ☐ 2. बालकें ☐ 3. बालकों ☐

ख. वचन कितने प्रकार के होते हैं?

1. एक ☐ 2. दो ☐ 3. तीन ☐

ग. 'नायक' का बहुवचन होगा–

1. नायक ☐ 2. नायकों ☐ 3. नायकें ☐

<u>मुहावरे</u>

1. अंक भरना – ....

....

....

2. अंकुश न मानना – ....

....

....

3. अंग–अंग ढीला होना – ....

....

....

4. अंग–अंग खिलना – ....

....

....

5. अँगूठा दिखाना – ....

....

....

6. अंधे की लाठी – ....

....

....

7. अक्ल पर पत्थर पड़ना – ....

....

....

8. अटकलें भिड़ाना – ....

....

....

9. अगर–मगर करना – ....

....

....

10. अपना उल्लू सीधा करना – ....

....

....

11. अन्न न लगना – ....

....

....

12. अँधेरे में रखना – ....

....

....

13. अक्ल का अंधा – ....

....

....

14. अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना – ....

....

....

15. अपने पैरों पर खड़ा होना – ....

....

....

16. अपना–सा मुँह लेकर रह जाना – ....

....

....

17. आँखे खुलना – ....

....

....

18. आँखों का काँटा – ....

....

....

19. आँख का तारा – ....

....

....

20. आँख रखना – ....

....

....

लोकोक्तियाँ

1. अधजल गगरी छलकत जाए – ....

....

....

2. अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता – ....

....

....

3. अंत बुरे का बुरा – ....

....

....

4. अंधी पीसे कुत्ता खाए – ....

....

....

5. अंधे के हाथ बटेर – ....

6. अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत – ....

7. अंधे के आगे रोवे आपन दीदा खोवे – ....

8. अंधा क्या चाहे दो आँखे – ....

9. अपनी करनी पार उतरनी – ....

10. अपनी–अपनी ढपली अपना–अपना राग – ....

11. अंधो में काना राजा – ....

12. आ बैल मुझे मार – ....

13. आम के आम गुठलियों के दाम– ....

14. आँख के अंधे नाम नयनसुख – ....

15. आधा तीतर आधा बटेर – ....

अनेकार्थी शब्द

1. अंक ....
2. अंकुश ....
3. अंग ....
4. अंबर ....
5. अक्षर ....
6. अपेक्षा ....

7. अभिजात ....

8. अरुण ....

9. अर्थ ....

10. अवकाश ....

11. अवधि ....

12. आदि ....

13. आम ....

14. अंत ....

15. अंधेरा ....

16. अकाल ....

17. अमल ....

18. अमृत ....

19. आँचल ....

20. आज्ञा ....

21. आपत्ति ....

22. उच्च ....

23. उत्तर ....

24. उपचार ....

25. उत्पात ....

26. एक्का ....

27. कक्ष ....

28. कनक ....

29. कर ....

30. कला ....

31. कुशल ....

32. खग ....

33. गति ....

34. गंदा ....

35. गहन ....

36. गुण ....

37. गुलाबी ....

38. गुरु ....

पाठ – 8
(सर्वनाम)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **(पृष्ठ सं0 40)**

क. सर्वनाम की परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

ख. सर्वनाम कितने प्रकार के होते हैं? उनके नाम लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

ग. पुरुषवाचक सर्वनाम को परिभाषित करते हुए उसके भेदों के नाम लिखो।

उ0 ....

....

....

....

घ. निश्चयवाचक और अनिश्चयवाचक सर्वनामों में अंतर स्पष्ट करो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

ङ. पुरुषवाचक सर्वनाम के सभी भेदों की परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो– **(पृष्ठ सं0 41)**

क. .... करोगे .... भरोगे। (जो/सो, जैसा/वैसा)

ख. .... गा रहा है। (कोई/कौन)

ग. .... आया है। (कौन/कोई)

घ. यह खिलौना .... पिता जी लाए। (मेरे/हमारे)

ङ. तुम .... काम स्वयं करो। (आपका/अपना)

3. निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम चुनो– **(पृष्ठ सं0 41)**

क. तुम्हें कहाँ जाना है?

....

ख. अपनी सुरक्षा स्वयं करें।

....

ग. कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है।

....

घ. यह तुम्हारी पुस्तक है।

....

ङ. वहाँ कुछ दिखाई दे रहा है।

....

4. दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प पर सही चिह्न (√) लगाइए– **(पृष्ठ सं0 41)**

क. 'तुम्हारा' सर्वनाम का पुरुष है–

1. अन्य पुरुष ☐ 2. मध्यम पुरुष ☐
3. उत्तम पुरुष ☐

ख. जो सर्वनाम कर्ता के साथ अपनेपन का भाव प्रकट करें, उन्हें कहते हैं–

1. संबंधवाचक सर्वनाम ☐ 2. निजवाचक सर्वनाम ☐
3. पुरुषवाचक सर्वनाम ☐

ग. जिन सर्वनामों का प्रयोग अन्य व्यक्तियों के लिए किया जाता है–

1. उत्तम पुरुष ☐ 2. मध्यम पुरुष ☐
3. अन्य पुरुष ☐

घ. जो सर्वनाम प्रश्न पूछने के लिए प्रयोग किए जाते हैं–

1. पुरुषवाचक सर्वनाम ☐ 2. प्रश्नवाचक सर्वनाम ☐
3. निश्चयवाचक सर्वनाम ☐

<u>समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द</u>

1.	अनल	....	2.	अन्न	....
	अनिल	....		अन्य	....
3.	अपमान	....	4.	आधि	....
	उपमान	....		आदि	....
5.	अभय	....	6.	ओर	....
	उभय	....		और	....
7	अंश	....	8	उपयुक्त	....
	अंस	....		उपर्युक्त	....
9.	अचला	....	10.	कर	....
	अचल	....		करि	....
11.	अंत	....	12.	कुल	....
	अत्य	....		कूल	....
13.	अविलंब	....	14	कृत	....
	अवलंब	....		क्रीत	....
15.	अनु	....	16.	अबला	....
	अणु	....		अबल	....
17.	अशक्त	....	18.	अवध	....
	आसक्त	....		अवध्य	....
19.	अविराम	....	20.	आचार	....
	अभिराम	....		अचार	....

21.	आहूत	....	22.	देव	....
	आहुत	....		दैव	....
23.	तरणी	....			
	तरुणी	....			

शब्दों के सही रूप

अधार	....	अचार	....
अवश्यकता	....	अलोचना	....
अग्यान	....	अनुग्रहीत	....
आरोज्ञ	....	अर्पन	....
उपर	....	उज्जवल	....
उपरोक्त	....	कपी	....
कवी	....	कवित्री	....
निश्चित	....	निशेद	....
पुज्य	....	प्रभू	....
परिक्षा	....	परकिरति	....
प्रमान	....	प्रनाम	....
पड़ाई	....	पती	....
पुन्य	....	पवितर	....
परशन	....	प्रंतु	....
परवेश	....	प्रीक्षा	....
कृश्न	....	कल्यान	....
कृपान	....	किरतहन	....
किरन	....		

[Hindi Literature]

पाठ – 1
(वर दे, वीणावादिनि!)

1. **शब्दार्थ –:** (पृष्ठ सं0 10)

शब्द		**अर्थ**	**शब्द**		**अर्थ**
वीणावादिनि	–	....	रव	–	....
अमृत मंत्र	–	....	अंध–उर	–	....
कलुष	–	....	तम	–	....
प्रकाश	–	....	मंद्र रव	–	....
विहग वृंद	–	....	नव पर	–	....

विषय–वस्तु का ज्ञान

1. **प्रश्नों के उत्तर लिखिए –** (पृष्ठ सं010)

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

''काट अंध उर के बंधन–स्तर,
बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर,
कलुष भेद, तम हर, प्रकाश भर
जगमग जग कर दे।''

क. कवि किससे प्रार्थना कर रहा है?

उ0 ....

....

ख. कवि की क्या अभिलाषा है?

उ0 ....

....

....

....

....

ग. उपर्युक्त काव्यांश में 'हृदय' के लिए कौन–सा शब्द प्रयुक्त किया गया है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

घ. काव्यांश के रचयिता का नाम लिखिए।

उ0 ....

....

प्रत्यास्मरण

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दो–दो पंक्तियों में लिखिए– **(पृष्ठ सं010)**

क. वीणा बजानेवाली कौन हैं? उन्हें किसकी देवी माना गया है?

उ0 ....

....

....

....

....

ख. 'निराला' जी ने सरस्वती देवी से क्या प्रार्थना की है?

उ0 ....

....

....

....

....

ग. आशय स्पष्ट कीजिए–

''प्रिय स्वतंत्र रव
अमृत–मंत्र नव
भारत में भर दे।''

....

....

....

....

....

....

....

''कलुष भेद, तम हर, प्रकाश भर,
ज्गमग जग कर दे।''

....

....

....

....

....

....

....

पाठ – 6
(अपराजिता)

1. **शब्दार्थ –:** **(पृष्ठ सं0 40)**

शब्द		**अर्थ**	**शब्द**		**अर्थ**
विलक्षण	–	....	जिजीविषा	–	....
अंतर्यामी	–	....	कंठगत	–	....
विच्छिन्न	–	....	सुगम	–	....
अभिशप्त	–	....	सम्मिलित	–	....
आवागमन	–	....	अवरुद्ध	–	....
देवांगना	–	....	आर्थोपैडिक	–	....
मांसपिंड	–	....	प्रदत्त	–	....

विषय–वस्तु का ज्ञान

1. **प्रश्नों के उत्तर लिखिए –** **(पृष्ठ सं041)**

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

''नियति के प्रत्येक कठोर आघात को अति अमानवीय धैर्य एंव साहस से झेलती वह बित्तेभर की लड़की मुझे किसी देवांगना से कम नहीं लगी।''

क. लेखिका ने 'बित्तेभर की लड़की' किसे कहा है? उन्होंने यह विशेषण उसे क्यों दिया?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ख. 'बित्तेभर की लड़की' को क्या कष्ट था?

उ0 ....

....

....

....

ग. लेखिका उसे देवांगना क्यों कह रही हैं?

उ0 ....

....

....

....

....

घ. समानार्थी शब्द लिखिए— नियति, प्रत्येक

उ0 ....

....

....

....

....

<u>प्रत्यास्मरण</u>

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— (पृष्ठ सं041)

क. हमें अपने जीवन की रिक्तता कब छोटी लगने लगती है?

उ0 ....

....

....

....

....

ख. डॉ० चंद्रा की गरदन का निचला हिस्सा कैसे निर्जीव हो गया?

उ0 ....

....

....

....

....

ग. डॉ० चंद्रा के प्रोफ़ेसर ने उनकी माता को 'वीर जननी' क्यों कहा?

उ0 ....

....

....

....

....

घ. लेखिका ने डॉ० चंद्रा को किन—किन विशेषणों से सुशोभित किया?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ङ. डॉ० चंद्रा ने क्या–क्या उपलब्धियाँ अर्जित कीं?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

2. निम्नलिखित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए– **(पृष्ठ सं041)**

क. ''भले ही उस अंतर्यामी ने हमें जीवन में कभी अकस्मात अकारण ही दंडित कर दिया हो किंतु हमारे किसी अंग को हमसे विच्छिन्न कर हमें उससे वंचित तो नहीं किया!''

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

पाठ – 7
(प्रायश्चित)

1. शब्दार्थ –: **(पृष्ठ सं0 48)**

शब्द		**अर्थ**	**शब्द**		**अर्थ**
करधनी	–	....	निगाह	–	....
हुक्म	–	....	महरी	–	....
ऊँघना	–	....	ताँता बँधना	–	....
नदारद	–	....	किफ़ायत	–	....
रबड़ी	–	....	अखरना	–	....
मोर्चाबंदी	–	....			

विषय–वस्तु का ज्ञान

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **(पृष्ठ सं048)**

''रामू की बहू ने कुछ सोचा, इसके बाद मुस्कराती हुई वह उठी। कबरी वहाँ से खिसक गई। रामू की बहू एक कटोरा दूध दरवाज़े की देहरी पर रखकर चली गई। साथ में पाटा लेकर लौटी, तो देखती है कि बिल्ली दूध में जुटी है।''

क. रामू की बहू क्यो मुस्करा रही थी?

उ0 ....

....

....

....

....

ख. कबरी रामू की बहू को उठता देख कहाँ चली गई?

उ0 ....

....

....

....

ग. बिल्ली रामू की बहू के घर में प्रसन्न क्यों रहती थी?

उ0 ....

....

....

....

....

घ. पाटा किसे कहते है?

उ0 ....

....

....

....

<u>प्रत्यास्मरण</u>

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— **(पृष्ठ सं049)**

क. रामू की बहू का कबरी बिल्ली से क्या बैर था?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

ख. रामू की बहू ने खीर में क्या—क्या डाला?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

ग. खीर से भरा हुआ कटोरा फ़र्श पर कैसे गिर गया?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

घ. बिल्ली ने क्या स्वांग रचा?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

ङ. पंडित परमसुख ने बिल्ली की हत्या का क्या प्रायश्चित बताया?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

च. कबरी बुद्धिमान थी या रामू की बहू? अपने कथन के पक्ष में तर्क दीजिए।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....